

04/3/25

पतावली बरा हुई। अधिवक्ता वाली व
अधिवक्ता प्रतिवादी मध्य उक्त पक्षकारानु अनुपास्त्रि।
रुक्म-रुक्म कर तीन बार अन्वये प्रिलवदि गई।
समय सोम 5 PM हो चुका है। अतः अधिवक्ता
उक्त पक्षकारानु मध्य पक्षकारानु के अनुपास्त्रित
रहने पर वाली भा वाप उतं प्रतिवादी का
प्रतिवाप अफम हजरी उतं अफम पंखी में
स्वार्थि किम पाता है। पतावली मंखल शुमार
होकर नमखट से मम ही।

मिथिल सुजादा अफम

